Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 14

No. of Printed Pages – 07

SS–26–Raj. Sah. (Supp.)

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2017

SENIOR SECONDARY SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2017

राजस्थानी साहित्य

(RAJASTHANI SAHITYA)

समय : 3¼ **घण्टे**

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों सारु सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सबसूं पैली आपरै प्रस्न पत्र माथै नामांक जरूर लिखे।

2) **सगळा** सवाल करना जरूरी है।

3) हरेक सवाल रौ पड़ूत्तर उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणो है।

4) जिण सवाल रा अेक सूं अधिक भाग है तो वां सगळा रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ।

5) लेखन मांय सुद्धता अर वैज्ञानिक विवेचन करियां ज्यादा अंक दिरीजैला।

6) वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रौ विसेस ध्यान राखौ अर ओपतौ पड़ूत्तर देवौ।

7) पड़ूत्तर राजस्थानी भासा में ईज देवणा है।

8) पूर्णांक अर प्रस्नांक ठावी ठौड़ अंकित है।

यहाँ से काटिए

1) नीचै लिख्या गद्यावतरणां री सप्रसंग व्याख्या करो :

क) –हां। फेर आपरी आखी शक्ति भेळी कर बड़बड़ायो वो–बाबा, मां भूखी है दो दिनां री। आटो पड़यो है ..... पाणी .....। अक्खै हाथां रो सहारो देय'र पाणी बींनै पा दियो। जीभ कीं आली हुई। उण फेर आपरी पीड़ प्रकासी–बींरी सरधा नीं है ..... ताव है ... थे बैगी बींनै रोटी। [4]

अथवा

अरी म्हारी भाभी! ऊंटड़ा को तो उठबो होयो अर म्हारी भसकर्यां'र रगळ कपूर का डळा की नांई उड़गी। काळज्यो अंतग्या छंडग्यो। सांस की धूंकणी उठ–उठ'र पड़बा लागगी। होठा पै पापड़ी आगी, आंख्यां फाटी की फाटी रैगी। अब कांई करूं कांई न करूं, म्हनै तो बार्रां पाड़बो सरू कर द्यो। ऊंटड़ो उचक–उचक'र चालै जद मन्नै अस्यो लागै जाणै म्हारै जीव नै जमदूत ले'र भाग र्यो छै।

ख) सावळ सुन्दर अर मन भावणो देश मॉरीशस आज म्हासूं घणौ दूरो है पण यूं लागै जाणै अबार सिंझ्यां होता ई हिन्दु भवन में वठा री नवयुवतियां अर युवक मिल'र मंजीरा, मृदंग, ढोलक अर हारमोनियम सागै भजन सुणाबा तांई इकठ्ठा होवेला अर वातावरण में मीरा रो भजन चाकर रहस्यूं बाग लगास्यूं नित उठ दरसण पास्यूं गूंजैला। **[4]**

अथवा

साहित्य में आनंद ही उपदेस और उपदेस ही आनंद बण जावै। आनंद और उपदेस में कोई अंतर नहीं रह जावै। आनंद अर उपदेस रौ ओ अद्वैत ही साहित्य रो प्रयोजन है। साचो साहित्य मननै आप में रमायनै जीवण नै उदान्ततारी दिसा में अग्रसर करै। बो जीवन में आनंद भरै, उल्लास भरै, सजीवता भरै। उण में भोग है जठै कर्म भी है।

ग) ..... उण रै मन में अेकाअेक सूरजड़ी नै देखणै रो चाव जाग्यो। बो जोर स्यूं बोल्यो, ''पाणी।'' बो उडीकण लाग्यो। थोड़ी ताळ में सन्नूड़ो हाथ में गिलास लियोड़ो आयो। ..... बैं बेमन पाणी रा दो गुटका लिया। ..... अभागै री तरियां सीरख में लुकग्यो। ..... अबै बो नीं देख सकै आपरी लुगाई नै! ..... सागीड़ी उथळ-पुथळ मचगी उण रै हियै में। **[4]**

अथवा

आपां सगळा जणा रमतिया हां। रमतिया बणावै जिको ठा नीं कद तोड़ द्यै। ..... कियां तोड़ देवै, आपां नीं जाणां। अेक महाकरूणा स्वामीजी रै चहरै नै ढंकगी। ..... हालूं जात्री! थारो बखत लीयो जिकै रै वास्तै छिया चावूं।'' ..... स्वामी जी उतावळी सूं गया परा।

म्है सोच्यो कठैई भानो, इण कहाणी रो नायक, अै स्वामीजी ई तो कोनी? हूं की पूछूं उण सूं पहलां ई स्वामी जी छांई-मांई हुयग्या। डूंगरां में खाली' राम-राम, भाई राम राम'! सुणीज रैयी ही! गूंज रयी ही!

2) 'अकल री वात' में बुद्धि रो चमत्कार अर महत्व दरसायौ गयो है, इण कथन नै मांड'र लिखो। [4]

3) अेकांकी रा तत्वां माथै 'डाक्टर रो ब्याव' अेकांकी री समीक्षा करो। [4]

4) 'मिनख जमारो' निबंध मांय निबंधकार कांई समझावणी चावै? विगतवार लिखो। [4]

5) सामाजिक समस्यावां नै आधार बणाय नै लिख्योड़ै उपन्यास' हूं गौरी किण पीव री' में कुण-कुण सी सामाजिक समस्यावां रो बखाण होयौ है? [4]

6) आधुनिक राजस्थानी कविता री किणी अेक प्रवृत्ति (काव्य धारा) माथै आलेख लिखो। [6]

7) नीचै लिख्या विषयां मांय सूं किणी अेक विसय माथै राजस्थानी भाषा में निबंध लिखो - [6]

i) कन्या भ्रूण हत्या : अेक सामाजिक कळंक

ii) म्हारी व्हाली (प्रिय) पोथी

iii) राजस्थानी बाल-साहित्य

iv) किणी मेळै रो बरणाव

8) नीचै लिख्या पद्यांसां री सप्रसंग व्याख्या करो–

क) हा हतास, हा पापमती, हा निरलज निरभाग।

पर रमणी बांछइ जिको, ते तो काळो काग।।

कां तू परणी आपणी, छोडि कुळीनी नारि।

परणी बांछइ पारकी, मूरख हियइ विचारि। **[5]**

अथवा

आ परदेसण पांवणीजी पुळ देखै नीं बेळा

आलीजा रै आंगणै में करै मनां रा मेळा

झिरमिर गीत सुणाती भोळै मनड़ै नै भरमाती

छळती आवै बिरखा बींनणी।

ख) धरा हिंदवाण री दाब गया दगै सूं ,

प्रगट में लड़यां ही पार पड़सी।

मिळ मुसलमान रजपूत ओ मरैठा,

जाट सिक्ख पंथ छंड जबर जुड़सी। **[5]**

अथवा

करमा री इण बोली में ही, भगवान खीचड़ो खायो है।

मीरा मेड़तणी इणमें ही, गिरधर गोपाल रिझायो है।

इणमें ही पिव सूं माण हेत, राणी उमादे रूठी ही।

पदमणियां इण में पाठ पढ्यो, जद जौहर ज्वाला ऊठी ही।

9) 'वीर सतसई' रा पठित छंदां रै आधार माथै राजस्थान री नारी रा गुणां रो बखाण करो। [5]

10) 'दुरगादास' रै चरित्र रा गुण बताओ। [5]

11) 'कतनी बार मरूं' कविता रो सार लिखो। [5]

12) काव्य री परिभासा देवतां थकां काव्य रा प्रयोजन लिखो। [5]

13) 'उल्लाळा' छंद री परिभासा अर उदाहरण लिखो। [5]

14) 'उपमा' अलंकार री विसेसतावां उदाहरण साथै लिखो। [5]

● ● ●

DO NOT WRITE ANYTHING HERE